LL.B. 2nd Sem. Paper- 1st Law of Contract-II

नोट– किन्ही पाँच प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य है।

इकाई-I

1. Define and Explain 'Contract of indemnity'? "All insurance Contracts are contract of indemnity except Life Insurance Contract". Discuss.

क्षतिपूर्ति की संविदा को परिभाषित कीजिए एवं इसे स्पष्ट कीजिए। ''सभी बीमा संविदा में क्षतिपूर्ति की संविदा होती है। जीवन बीमा संविदा को छोड़कर।'' इसकी विवेचना कीजिए।

अथवा

2. Define a contract of guarantee. Who is surety? Discuss the circumstances in which a surety is discharged from his liabilities.

प्रत्याभूति संविदा को परिभाषित कीजिए। प्रतिभू कौन होता है? उन परिस्थितियों की विवेचना कीजिए। जिनमें एक प्रतिभू अपने दायित्वों से उन्मोचित हो जाता है।

इकाई-II

3. Define the terms 'Bailor' and Bailee'. Discuss in brief the duties and rights of a 'bailor and bailee'.

'उपनिधाता' एवं 'उपनिहिती' प्रत्ययों की परिभाषा दीजिए। 'उपनिधाता' एवं 'उपनिहिती' के कर्त्तव्यों एवं अधिकारों की संक्षेप में विवेचना कीजिए।

अथवा

4. Define 'Pledge' and explain its essential elements. Who can pledge.

गिरवी को परिभाषित कीजिए। तथा इसके आवश्यक तत्वों की व्याख्या कीजिए। गिरवी कौन रख सकता है? बताइए।

इकाई-III

5. What are the various modes of creation of 'agency relationship'. Discuss the law relating to creation of agency by ratification.

अभिकरण सम्बन्ध के सृजन के विभिन्न तरीके क्या हैं? समझाइए। अनुसमर्थन द्वारा अभिकरण के सृजन से सम्बन्धित विधि की विवेचना कीजिए।

अथवा

6. Explain with illustrations the circumstances under which an agency relationship comes to an end. Also state the situation when an agency cannot be termination.

दृष्टानों की सहायता से उन परिस्थितियों की व्याख्या कीजिए, जिनके अन्तर्गत अभिकरण सम्बन्ध समाप्त हो जाते हैं तथा उन परिस्थितियों का भी उल्लेख कीजिए। जब अभिकरण सम्बन्ध को समाप्त नहीं किया जा सकता है।

इकाई-IV

7. Explain and illustrate terms 'Condition' and 'Warranty'. Distinguish between Condition and Warranty. Under what circumstances the breach of condition is treated as breach of a warranty.

'शर्त' एवं 'वारण्टी' प्रत्ययों को दृष्टान्तों की सहायता से समझाइए। 'शर्त' एवं 'वारण्टी' में अन्तर स्पष्ट कीजिए। किन परिस्थितियों में एक शर्त के उल्लंघन को एक वारण्टी का उल्लंघन माना जाता हैं।

अथवा

8. Who is 'unpaid seller'? Explain. Discuss with the help of suitable illustrations and statutory provision the rights of unpaid seller under the Sale of Goods Act,1930.

अदत्त विक्रेता कौन है? समझाइए। कानूनी प्रावधानों एवं दृष्टानों की सहायता से मालविक्रय अधिनियम 1930 के अन्तर्गत अदत्त विक्रेता के अधिकारों की विवेचना कीजिए।

इकाई-V

9. Define 'Partnership' as given under Section 4 of the Indian Partnership Act, 1932. What are its essential elements? Whether 'sharing of profit' is the conclusive proof of partnership? Duscuss.

'भागीदारी' को भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 की धारा 4 अनुसार परिभाषित कीजिए। इसके (भागीदारी के) आवश्यक तत्व क्या है? बताइए क्या 'लाभ में हिस्सा' भागीदारी का निश्चयात्मक सबूत है? विवेचना कीजिए।

अथवा

10. Can 'a minor' become a partner in a partnership firm? Describe the position of a minor in partnership. Discuss in brief the rights and liabilities of a minor admitted to the benefits of the partnership firm.

क्या 'एक अवयस्क' भागीदार फर्म में भागीदार हो सकता है? भागीदारी (साझेदारी) में अवयस्क की स्थिति वर्णन कीजिए। एक अवयस्क जिसे भागीदारी फर्म में लाभ में हिस्सा प्राप्त करने के लिए सम्मिलित किया गया है, के अधिकारों एवं दायित्वों की संक्षेप में विवेचना कीजिए।

LL.B. 2nd Sem. Paper- II Constitutional Law-II

नोट– किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. Discuss the constitutional position, functions and powers of the President of India.

भारत के राष्ट्रपति की संवैधानिक स्थिति, कार्यों एवं शक्तियों का वर्णन कीजिए।

2. Examine the role and powers of the Prime Minister of India. Is the President of India bound by the advice of the Council of Minister? Refer relevant articles.

भारत के प्रधानमंत्री की भूमिका एवं शक्तियों का परीक्षण कीजिए। क्या भारत का राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद् की सलाह मानने के लिए बाध्य है? सुसंगत अनुच्छेदों का उल्लेख कीजिए।

3. Discuss in brief the qualifications and disqualifications for becoming a member of the House of People.

लोकसभा का सदस्य होने की योग्यता एवं अयोग्यताओं का संक्षेप में विवेचना कीजिए।

4. Define Money Bill. Describe the procedure for its passing.

धन विधेयक को परिभाषित कीजिए। इसके पारित करने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

5. Describe brief the composition and civil jurisdiction of the Supreme Court of India.

भारत के उच्चतम न्यायालय के संठगन तथा सिविल क्षेत्राधिकार की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

6. Discuss the powers and Position of Governor under the constitution of India.

भारत के संविधान के अन्तर्गत राज्यपाल की संवैधानिक स्थिति एवं शक्तियों का वर्णन कीजिए।

7. Explain as to how legislative powers have been divided between Union and States? Under which circumstances parliaments can legislate on matter enumeration in the state list?
संघ तथा राज्यों के बीच विधायनी शक्तियों का विभाजन किस तरह से किया गया है? किन परिस्थितियों संघ राज्य सूची में वर्णित विषयों पर विधायन कर सकता है?

8. On what grounds emergency may be declared in a state? For how much time, it may last in the absence of ratification by the parliament?
किन आधारों पर एक राज्य में आपातकाल की घोषणा की जा सकती है? संसद को अनुमोदन के अभाव में यह कितने समय तक रह सकती है?

9. Discuss the procedure of amendment of Indian constitution. Can constitution be amended to such an extent, as to destroy the basic structure of constitution.
भारतीय संविधान के संशोधन प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। क्या संविधान इस सीमा तक संशोधित किया जा सकता है कि मूलभूत ढाँचा का ही विनाश हो जाये?

10. Write short notes on any two of the following.
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।
1. Safeguards available to Civil Servant under Article 311 of the Constitution of India.
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311 के अन्तर्गत लोक सेवकों को प्राप्त सुरक्षा।
2. Doctrine of Pith and Substance.
सार तथा तत्व का सिद्धान्त।
3. Freedom of trade, commerce and intercourse.
व्यापार, वाणिज्य एवं समागम की स्वतन्त्रता।

LL.B. 2nd Sem. Paper- III Family Law-II (Muslim Law)

नोट– किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. Discuss the various sources of Muslim Law.
मुस्लिम–विधि के विभिन्न स्त्रोतों की विवेचना कीजिए।

2. The Shariat Act, 1937 which invalidates all customs in derogation of Muslim law, has brought in uniformity and unanimity in Muslim law. Comment.
''शरियत अधिनियम, 1937 द्वारा मुस्लिम विधि के विरूद्ध सभी प्रथाओं को अमान्य तथा प्रभावहीन करके मुस्लिम विधि में एकरूपता तथा एकता लायी गयी है।'' इस कथन की विवेचना कीजिए।

3. According to the Muslim Law, "Marriage is not a sacrament but a civil contract". Elucidate.
''मुस्लिम विधि के अनुसार विवाह एक संस्कार नहीं है बल्कि एक व्यावहारिक संविदा है।'' स्पष्ट कीजिए।

4. State briefly the nature and scope of "option of puberty". To what extent have its provisions been modified by legislature?
''वयस्कता के विकल्प'' की प्रकृति एवं विस्तार का संक्षेप में वर्णन कीजिए। विधायिका के द्वारा कहाँ तक इसके प्रावधानों का संशोधन हुआ है।''

5. Define "Mahar". What are the rights available to the wife in lieu of Mahar?
मेहर की परिभाषा दीजिए। मेहर के एवज में पत्नी को पति के विरूद्ध क्या अधिकार है?

6. State of grounds on which a Muslim wife can obtain decree for dissolution of her marriage under Dissolution Muslim Marriage Act.1939.
मुस्लिम विवाह–विच्छेद अधिनियम, 1939 के अन्तर्गत मुसलमान पत्नी किन आधारों पर विवाह–विच्छेद की डिक्री प्राप्त कर सकती है?

7. Critically examine the law of maintenance under Muslim Law. How far this has been modified by Indian legislature and courts? Discuss.

मुस्लिम–विधि के अन्तर्गत 'भरण–पोषण' की विधि की समीक्षा कीजिए। भारतीय विधायिका एवं न्यायालयों द्वारा इस विधि को किस सीमा तक परिवर्तित किया गया है। समझाइए।

8. Is delivery of possession essential for the validity of gift under Muslim Law? If so under which circumstances delivery of possession is not necessary? Discuss.

क्या मुस्लिम–विधि में दान (हिबा) की वैधता के लिए कब्जा का दिया जाना आवश्यक है? यदि हाँ तो किन परिस्थितियों में कब्जा दिया जाना आवश्यक नहीं है? व्याख्या कीजिए।

9. What is will? Who can make a will? What formalities are necessary for valid will and in whose favour it can be made?

वसीयत किसे कहते है? वसीयत कौन कर सकता है? मान्य वसीयत की कौन–कौन–सी औपचारिकताएँ आवश्यक हैं? तथा यह किसके पक्ष में की जा सकती है?

10. Write short notes on any two of the following.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

1. Lian

लियन

2. Iddat-period

इद्द्त–काल

3. Waqf

वक्फ

4. Hiba-bill-Iwaz

हिबा–बिल–एवज

LL.B. 2nd Sem. Paper- IV Law of Torts and Consumer Protection Act

नोट– किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. Define nuisance. Describe different kinds of nuisance.

उपताप को परिभाषित कीजिए। विभिन्न प्रकार के उपतापों का वर्णन कीजिए।

2. "No case of actionable negligence will rise unless there is a breach of duty of takes care"? Explain the above proposition with the help of decided cases.

''वाद योग्य असावधानी की मामला तब तक उत्पन्न नहीं होगा, जब तक सावधानी बरतने के कर्त्तव्य को भंग न किया जाय'' निर्णीत वादों के माध्यम से उक्त कथन को स्पष्ट कीजिए।

3. What is tort of defamation? What are its essential elements? And what are the defenses? Discuss.

मानहानि का अपकृत्य क्या है? इसके आवश्यक तत्व है तथा इसके क्या–क्या बचाव हैं? व्याख्या कीजिए।

4. "Damage can only be claimed by the plaintiff when the damage is not too remote". Explain this statement with the help of relevant case law.

''वादी क्षतिपूर्ति तभी प्राप्त कर सकता है जबकि अति दूरस्थ नहीं है।'' इस कथन की व्याख्या संगत निर्णीत वादों की सहायता से कीजिए।

5. Discuss the object of the Consumer Protection Act, 1986.

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

6. Are the 'functions' of statutory institutions 'service' under the Consumer Protection Act, 1986? Discuss the liabilities of the Government in this respect.

क्या सांविधिक संस्थाओं के कार्य उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के अन्तर्गत सेवा है इस सम्बन्ध में सरकार के दायित्वों की विवेचना कीजिए।

7. Discuss the constitution, jurisdiction and procedure of claims tribunal under the Motor Vehicle Act, 1988.

मोटरयान अधिनियम, 1988 के अन्तर्गत दावा अधिकरण के गठन, क्षेत्राधिकार एवं प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

8. What relief have been provided under the Consumer Protection Act, 1986 to an aggrieved consumer?

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत किसी क्षुब्ध उपभोक्ता को कौन –कौन से संरक्षण प्राप्त हैं?

9. (a) What is contributory negligence?

योगदायी उपेक्षा क्या है?

(b) A boy sitting in a bus project his arms outside the window inspite of many warning. In consequence, he is injured it is a case of contributory negligence.

बस में बैठा एक बालक बार–बार चेतावनी के बावजूद भी अपना हाथ खिड़की से निकालता है। परिणामस्वरूप वह घायल हो जाता है क्या यह योगदायी उपेक्षा का मामला है?

10. Write short notes on any two of the following.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

1. Narrate the composition of the National Commission.

राष्ट्रीय आयोग के संरचना का वर्णन कीजिए।

2. Is prospective investor a consumer?

क्या भावी विनियोजक एक उपभोक्ता है?

3. What do you mean by cattle trespass?

पशु अतिचार से आप समझते है?

LL.B. 2nd Sem. Paper- V Human Rights and International Law-II

नोट– किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. Define Human Rights. Explain the origin and development of the concept of Human Rights.

मानवाधिकार को परिभाषित कीजिए। मानवाधिकार की अवधारणा की उत्पत्ति एवं विकास की व्याख्या कीजिए।

2. What procedure are adopted for the implementation of the Human Rights under the International Covenants of Civil and Political Right? Explain.

नागरिक और राजनीजिक अधिकारों की अन्तर्राष्ट्रीय प्रसंविदा के प्रवर्तन हेतु कौन –सी प्रक्रिया अपनायी जाती है? व्याख्या कीजिए।

3. Explain the constitution, functions and powers of the National Human Rights Commission.

राष्ट्रीय मानवाधिकार के आयोग के गठन, कार्यों एवं शक्तियों की व्याख्या कीजिए।

4. "Human Rights and Humanitarian Laws both are the two sides of the same coin". Explain.

''मानवाधिकार एवं मानवीय विधियाँ दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।'' व्याख्या कीजिए।

5. "The Fundamental Rights and Directive Principles of State Policy of the Indian Constitution reflect the human rights oriented norms". Discuss

''भारतीय संविधान में वर्णित मौलिक अधिकार एवं राज्य के नीति–निदेशक तत्व मानवाधिकारमूलक मानकों को प्रतिबिम्बित करती है।'' विवेचना कीजिए।

6. Explain the nature, scope and significance of the Universal Declaration of Human Rights, 1948.

सार्वभौमिक मानवाधिकारों की घोषणा, 1948 की प्रकृति, क्षेत्र एवं महत्व की व्याख्या कीजिए।

7. What do you mean by International Humanitarian Law? Discuss the provisions of the Geneva Convention relating to Treatment of Prisoners of War, 1949.

अन्तर्राष्ट्रीय मानवविधि से आप क्या समझते है? युद्धबन्दियों के प्रति व्यवहार से सम्बन्धित जेनेवा अभिसम 1949 के उपबन्धों का वर्णन कीजिए।

8. Discuss the relationship of the International Convennant Civil and Political Rights with that of the rights guaranteed under part third of the Indian Constitution.

नागरिक व राजनीतिक अधिकारों की अन्तर्राष्ट्रीय संविदा का भारतीय संविधान के भाग तीन में प्रत्याभूत अधिकारों से सम्बन्धों की व्याख्या कीजिए।

9. Explain constitution, powers and the functions of the 'National Commission for Women'. To what extent this Commission has achieved its goal.

राष्ट्रीय महिला आयोग के गठन, कार्यों एवं शक्तियों की विवेचना कीजिए। किस सीमा तक यह आयोग अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल रहा।

10. "The Supreme Court and the High Courts of India have played a significant and outstanding role in the protection of the Human Rights". Explain with the help of the decided cases.

''मानवाधिकारों के संरक्षण में भारत के उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।'' निर्णीत वादों की सहायता से व्याख्या कीजिए।

LL.B. 2nd Sem. Paper- VI Law of Crime-II

नोट– किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. Explain and illustrate the expression "Culpable Homicide". Point out the distinction between 'Murder and Culpable Homicide not amounting of murder'.

''आपराधिक मानव–वध'' पदावली को समझाइए तथा स्पष्ट कीजिए। हत्या तथा आपराधिक मानव–वध जो हत्या नही है, के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए।

2. What is criminal misappropriation? Discuss with the help of suitable illustrations. How is criminal misappropriation different from theft?

आपराधिक दुर्विनियोग क्या है? उपयुक्त दृष्टान्तों की सहायता से समझाइए। आपराधिक दुर्विनियोग किस प्रकार चोरी से भिन्न हैं?

3. Discuss the law relating to 'grave and sudden provocation' as contained in the Indian Penal Code.

''गम्भीर तथा अचानक प्रकोपन से सम्बन्धित भारतीय दण्ड संहिता में समाविष्ट कानून की विवेचना कीजिए।

4. Discuss the essential ingredients of 'Criminal Breach of Trust' in detail and distinguish it from Criminal Misappropriation.

आपराधिक न्यासभंग के आवश्यक तत्वों की विवेचना कीजिए और इसका 'आपराधिक दुर्विनियोग' से अन्तर बताइए।

5. "There is much difference in the scope and applicability of section 34 and 149 though they have some extent overlapping." Explain.

''धारा 34 और 149 के विस्तार तथा लागू होने में अत्यधिक अन्तर है। यद्यपि इन दोनों में कुछ सादृश्यता है तथा कुछ परिणाम तक ये एक–दूसरे को आच्छादित करती है।'' व्याख्या कीजिए।

6. What is rape? Can a husband be charged of rape of his wife? Discuss.

बलात्संग क्या है? क्या एक पति पर पत्नी के बलात्संग का आरोप लगाया जा सकता है? विवेचना कीजिए।

7. Discuss the object behind the legislative change in introduction section 304-B with regard to Dowry Death.

दहेज मृत्यु के सम्बन्ध में धारा–304–बी द्वारा विधायी परिवर्तन के उद्देश्यों की विवेचना कीजिए।

8. What is dacoity? What are its ingredients? How will you distinguish it from Robbery?

डकैती किसे कहते हैं? इसके आवश्यक तत्व हैं? डकैती और लूट में अन्तर बताइए।

9. Is attempt to commit suicide an offence in India? Are you in favour of retention of this offence? Give reasons.

क्या आत्महत्या का प्रयत्न भारत में अपराध है? क्या आप इस अपराध को बनाये रखने के पक्ष में हैं? कारण बताइए।

10. What are the objects of the Prevention of corruption Act, 1988. Discuss the offences along with their punishments laid down under the Act.

भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, 1988 के उद्देश्य क्या हैं? इस अधिनियम के अन्तर्गत दिये गये अपराधों के साथ उनके दण्डों की भी विवेचना कीजिए।

LL.B. 2nd Sem. Paper- VII Interpretation of the Statutes

नोट– किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. Define Interpretation. Distinguish between 'Interpretation' and Construction.

'निर्वचन' को परिभाषित कीजिए। 'निर्वचन' एवं 'अर्थान्वयन' में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

2. "Golden rule of interpretation is not an independent rule of interpretation, but it is a modified form of the literal rule of interpretation". With the help of the leading cases explain the above statements.

''निर्वचन का स्वर्णिम नियम निर्वचन का स्वतन्त्र नियम नहीं है बल्कि निर्वचन के शाब्दिक नियम का ही एक परिष्कृत रूप है।'' निर्णित वादों की सहायता से उपर्युक्त कथन की व्याख्या कीजिए।

3. Define statute. Explain the various organs of the statute. Distinguish between 'Statute' and 'Enactment'.

'संविधि' को परिभाषित कीजिए। संविधि के विभिन्न अंगों की व्याख्या कीजिए। संविधि एवं 'अधिनियमन' में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

4. What do you mean by 'Internal Aid to Interpretation'. Explain the importance of 'preamble' (as an internal aid to interpretation) in the interpretation of the Indian constitution. Refer the case laws.

'निर्वचन के आन्तरिक सहायक' से आप क्या समझते हैं? भारतीय संविधान के निर्वचन में प्रस्तावना के महत्व (आन्तरिक सहायक के रूप में) की व्याख्या कीजिए। निर्णित वादों का हवाला दीजिए।

5. Write short notes on any two of the following.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

1. Casus omissus

कैसस ओमिसस (अमान्य से मान्य करना अच्छा है)

2. Importance of "Interpretation clause" in the interpretation of any statute.

संविधियों के निर्वचन में ''निर्वचन खण्ड'' की भूमिका

3. Res ipsa loquitur

घटनाएँ स्वयं बोलती हैं

4. Doctrine of severability

पृथक्करणियता का सिद्धान्त

6. Discuss the rules of interpretation relating to the interpretation of the Criminal Law/Penal statutes.

आपराधिक विधि/दाण्डिक विधि के निर्वचन से सम्बन्धित निर्वचन के नियमों की व्याख्या कीजिए।

7. Explain the importance of the Haydon's case in the interpretation of the modern statutes.

आधुनिक संविधियों के निर्वचन में 'हेडन वाद' के महत्व की व्याख्या कीजिए।

8. Explain the importance of the 'doctrine of pith and substance' in the interpretation of the scheme of the division of legislative powers by constitution of India.

भारतीय संविधान के द्वारा विधायी शक्तियों के विभाजन की योजना के निर्वचन में ''सार एवं तत्व'' के सिद्धान्त के महत्व की व्याख्या कीजिए।

9. Write short notes on any two of the following.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

1. Colourable legislation

छदम विधायन

2. Doctrine of Ex post facto

विधि का भूतलक्षि प्रभाव

3. Doctrine of Ejusdem generis

सजातियता का सिद्धान्त

4. Doctrine of Eclipse

अच्छादन का सिद्धान्त

10. Explain the rules relating to the interpretation of taxing statutes.

'कर संविधियों' के निर्वचन से सम्बन्धित निर्वचन के नियमों की व्याख्या कीजिए।